आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.07.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने आज ''एक पेड़ मां के नाम– 2.0' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।
- आर. कस्तूरी बाई आधिकारिक FIDE खिलाड़ी खिताब से सम्मानित होने वाली द्वीपसमूह की पहली खिलाड़ी बनीं।
- नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के पहले बैच के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।
- क्यारी की ओर से कार निकोबार में मधुमक्खी प्रबंधन और पत्ती पृथक्करण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने फरीदाबाद–नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अडडे गलियारे पर आज ''एक पेड़ मां के नाम– 2.0' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने वृक्षारोपण के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष दो हजार चौबीस–पच्चीस में साठ लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य था, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे सड़सठ लाख पेड़ लगाए गए हैं, जो लक्ष्य का एक सौ बारह प्रतिशत है। श्री गड़करी ने बांस का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे कई उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सरकार कार्बन उत्सर्जन को कम करने और राष्ट्रीय राजमार्गों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। देश में अब तक राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार करोड़ अटठहत्तर लाख से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं और सत्तर हजार से ज्यादा पेड़ों को प्रत्यारोपित किया गया हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की युवा शतरंज खिलाड़ी आर. कस्तूरी बाई आधिकारिक FIDE खिलाड़ी खिताब से सम्मानित होने वाली द्वीपसमूह की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। कस्तूरी ने महिला कैंडिडेट मास्टर का गौरव हासिल किया है। कस्तूरी को यह खिताब आज सुबह विश्व शतरंज महासंघ ने प्रदान किया। इस उपलब्धि के साथ कस्तूरी ने दो हजार FIDE रेटिंग मार्क को पार करने वाली अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह की पहली महिला खिलाड़ी भी बनी हैं। उन्होंने दोनों उपलब्धियाँ इक्कीसवें दिल्ली इंटरनेशनल ओपन 2025 के दौरान हासिल कीं। एएनसीए–डब्ल्यूसीएम ने आर. कस्तूरी बाई को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह क्षण सिर्फ एक व्यक्तिगत जीत से कहीं ज़्यादा है, और द्वीपों में शतरंज के लिए एक बड़ी सफलता है।

<><><><><><><><>

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की ओर से इक्कतीस मई को पोस्टर प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हर आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया और तंबाकू नियंत्रण और जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम पुरस्कार अमर बिश्वास, दूसरा पुरस्कार एल. लिश्मा शैन मैथ्यू और तीसरा पुरस्कार सैमवी कलिगिथी को दिया गया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और स्वस्थ तंबाकू मुक्त भविष्य को प्रोत्साहित करना था। इस वर्ष का विषय था बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना। विजेताओं का चयन उनकी रचनात्मकता, संदेश की स्पष्टता और समग्र प्रभाव के आधार पर किया गया।

<><><><><><><><>

हज समिति ने हज दो हजार छब्बीस के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। हज यात्री आधिकारिक हज पोर्टल या हज सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से अपना आवदेन जमा कर सकते हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि ऑनलाइन आवेदन विंडो इक्कतीस जुलाई तक खुली रहेगी। आवेदक के पास आवेदन की अंतिम तिथि या उससे पहले जारी किया गया भारतीय पासपोर्ट होना अनिवार्य है, और वह कम से कम इक्कतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस तक वैध होना चाहिए। समिति ने आवेदकों को यह भी सलाह दी है कि वे आवेदन करने से पहले अपनी तैयारियों पर ध्यान से विचार करें। मृत्यु या गंभीर चिकित्सा स्थिति को छोड़कर आवेदन रद्द करने पर जुर्माना लगेगा और वित्तीय नुकसान हो सकता है।

<><><><><><><><>

आपदा प्रबंधन निदेशालय ने सिविल डिफेंस के सहयोग से आज से बारह जुलाई तक नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के पहले बैच के लिए पाँच दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन भवन के प्रशिक्षण हॉल में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों को आवश्यक आपदा प्रतिक्रिया कौशल में निपुण बनाना है और आपदा प्रतिक्रिया, समन्वय और प्रबंधन में बुनियादी ज्ञान और तकनीक प्रदान करना है, जिससे स्वयंसेवक आपात स्थिति के दौरान जान बचाने में सहायता कर सकें। उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त और सिविल डिफेंस निदेशक अर्जुन शर्मा ने प्रशिक्षण में नागरिक स्वयं सेवकों की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। आपदा प्रबंधन निदेशक प्रियंका कुमारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न संसाधन विभागों के अधिकारियों और एनडीआरएफ कर्मियों की सराहना की।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से कार निकोबार के काकाना गांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मधुमक्खी प्रबंधन और पत्ती पृथक्करण के लिए मौसम आधारित सलाह और नवीन तकनीकों पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी किसानों को जलवायु–अनुकूल सब्जियों, मौसम–आधारित सलाहकार सेवाओं, मक्खियों के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित किया गया। ये कार्यक्रम आदिवासी किसानों की जलवायु क्षमता को मजबूत करते हुए खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ाने पर केंद्रित थे। किसानों को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा सलाह की व्याख्या करने का प्रशिक्षण दिया गया, जो बुवाई, सिंचाई और कटाई पर समय पर निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में तिरपन आदिवासी किसानों को सब्जी के बीज किट और "द्वीप रसोई बागवानी – सतत संसाधन उपयोग और आत्मनिर्भरता" शीर्षक से एक प्रशिक्षण पुस्तिका वितरित की गई। इसके अलावा, चालीस आदिवासी किसानों के बीच द्वीप गो–फ्लाई और द्वीप लीफ सेपरेटर के उपयोग का प्रदर्शन दिया गया। अनुसूचित जनजाति घटक और जनजातीय उप–योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में क्यारी के वैज्ञानिक डॉ. अभिलाष सिंह और टी. हर्षग कुमार उपस्थित रहे।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल में स्वतंत्र पर्यटक गाइड के लिए पात्र स्थानीय बेरोजगार युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम बारहवीं पास अथवा हायर सेकेंडरी योग्यताधारक होना चाहिए और जिन्होंने पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के आई आई टी टी एम से टूर गाइडिंग पर कम से कम बारह दिनों का प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा किया हो। आवेदन पत्र प्रशासन की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन कला और संस्कृति विभाग के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

गैर–सरकारी संगठन पंख ने प्रणब कन्या आश्रम की लड़कियों के लिए एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किया। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ इस कार्यक्रम में लड़कियों को मानसिक रूप से मजबूत, भावनात्मक और ऊर्जावान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम होटल ड्रिफ्टवुड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चिन्मय मिशन के स्वामी शुद्धानंद सरस्वती, पंख के संस्थापक अध्यक्ष कोमल आनंद तथा सदस्य उपस्थित थे।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम स्थित चिन्मय मिशन में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन में दस जुलाई को शाम पांच बजे से साढ़े सात बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम शाम पांच बजे मंत्रोच्चार के साथ शुरू होगा। भजन और सत्संग के बाद गुरु पादुका पूजा, आरती और प्रसाद वितरण होगा। गुरु पूर्णिमा को श्री वेद व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है।

<><><><><><><>